

मैरिंगो एशिया में शुरू हुई ब्रेन की नई उपचार तकनीक

वर्ल्ड स्ट्रोक डे पर एडवांस्ड न्यूरोमॉड्यूलेशन यूनिट का शुभारंभ

बिना सर्जरी के मैग्नेटिक पल्स से ब्रेन की गतिविधियों को नियंत्रित करने में मिलेगी मदद



मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद में एडवांस्ड न्यूरोमॉड्यूलेशन यूनिट का उद्घाटन करते फाउंडिंग मेंबर, ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ डॉ. राजीव सिंघल और प्रोग्राम क्लिनिकल डायरेक्टर (न्यूरोलॉजी) डॉ. सुषमा शर्मा।

फरीदाबाद | वर्ल्ड स्ट्रोक डे के अवसर पर मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद ने एडवांस्ड न्यूरोमॉड्यूलेशन यूनिट की शुरुआत की है। इस यूनिट में रिपीटिटिव ट्रांसक्रैनीयल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (rTMS) तकनीक उपलब्ध कराई गई है, जिसके जरिए बिना किसी सर्जरी के मैग्नेटिक पल्स की मदद से ब्रेन के विशेष हिस्सों की गतिविधियों को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

यूनिट का उद्घाटन अस्पताल के फाउंडिंग मेंबर, ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ डॉ. राजीव सिंघल ने किया। उन्होंने कहा कि यह सुविधा न्यूरोलॉजिकल और कुछ मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को आधुनिक और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इन मरीजों को मिल सकता है लाभ

- स्ट्रोक के बाद हाथ-पैरों की गतिविधियों में कमी
- मूवमेंट डिसऑर्डर (जैसे पार्किंसनिज्म)
- लंबे समय से बने दर्द (जैसे फाइब्रोमायतजिया)
- माइग्रेन और टिनिटस (कानों में आवाज आना)
- डिप्रेशन और ऑब्सेसिव कम्पल्सिव डिसऑर्डर (OCD)
- निकोटीन की लत छुड़ाने में सहायक उपचार

क्या है rTMS तकनीक

rTMS में मैग्नेटिक पल्स के माध्यम से ब्रेन के विशेष हिस्सों की गतिविधियों को प्रभावित किया जाता है। इसे बिना सर्जरी की, सुरक्षित और वैज्ञानिक रूप से मान्यता प्राप्त तकनीक माना जाता है। मरीज की स्थिति और मेडिकल एविडेंस के आधार पर ही इस उपचार की उपयुक्तता तय की जाती है।

“हमारे ब्रेन में खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढालने और न्यूरल कनेक्शन को दोबारा व्यवस्थित करने की अद्वितीय क्षमता होती है, जिसे न्यूरोप्लास्टिसिटी कहते हैं। rTMS तकनीक सही मरीजों में स्ट्रोक के बाद रिहैबिलिटेशन, माइग्रेन, डिप्रेशन, OCD और निकोटीन की लत जैसी स्थितियों में सहायक हो सकती है।

डॉ. सुषमा शर्मा

प्रोग्राम क्लिनिकल डायरेक्टर – न्यूरोलॉजी
मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद

“वर्ल्ड स्ट्रोक डे पर यह यूनिट मरीजों तक आधुनिक मेडिकल टेक्नोलॉजी पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे फरीदाबाद और आसपास के मरीजों को नई उपचार सुविधाएं अपने ही शहर में मिल सकेंगी और उन्हें बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

डॉ. राजीव सिंघल

फाउंडिंग मेंबर, ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ
मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद

**मरीजों के लिए
क्या खास**



आधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाओं के साथ
एक्यूट स्ट्रोक मैनेजमेंट



पर्सनलाइज्ड और मल्टीडिसिप्लिनरी उपचार पर जोर



स्थानीय स्तर पर मिलेंगी
आधुनिक न्यूरोलॉजिकल
केयर सुविधाएं